

प्रेषक,

सन्तोष बड़ोनी,
अनुसचिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवामें,

निदेशक पर्यटन,
उत्तरांचल, देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 6 जुलाई, 2006

विषय:— केन्द्र पोषित योजना के अन्तर्गत चारधाम यात्रा मार्ग पर होर्डिंग्स स्थापित करने हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-563/VI/2006-2(9)2006, दिनांक 19 मई 2006 तथा उत्तरांचल पर्यटन विकास परिषद् के पत्रांक-90/2-8-8/05-06 दिनांक 08 जून, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय केन्द्र पोषित योजना के अन्तर्गत चारधाम यात्रा मार्ग पर होर्डिंग्स स्थापित करने हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में रु0 28.85 लाख की लागत की योजना हेतु केन्द्रांश रु0 14.40 लाख तथा राज्यांश रु0 14.45 लाख की धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करालें।

4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

10-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

11-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण प्रत्येक माह शासन को उपलब्ध कराते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को भी यथासमय प्रेषित कर दिया जायेगा। अधूरी योजनाओं पर पूर्व स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपयोग के उपरान्त ही आगामी किस्त उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद अवमुक्त की जायेगी।

12- पर्यटन सूचना पट्ट प्रत्येक दश में हिन्दी व अंग्रेजी भाषा दोनों में स्थापित किये जायें तथा शब्दों/पट्टों का आकार पर्याप्त बड़ा हो, जिससे चलते वाहन से सुगमता से सूचना पढ़ी जा सके। जहां विभिन्न पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं को चित्र रूप में अंकित किया जाना हो, वहां अन्तर्राष्ट्रीय चित्र संकेतों का ही उपयोग किया जाय। सूचना पट्टों के अनुरक्षण की व्यवस्था भी सुस्पष्ट रूप से तैयार कर ली जाय।

13- सम्बन्धित निर्माण इकाई कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने हेतु एक पट चार्ट तैयार कर पर्यटन निदेशालय/शासन को उपलब्ध करायेगा एवं कार्य को निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण करने हेतु वचनबद्धता भी इंगित करेगा।

14- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-02-पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा व्यवस्था हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

15- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-285/XXVII(2)/2006, दिनांक 01 जुलाई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सन्तोष बड़ोनी)
अनुसचिव।

संख्या 23-VI /2006-5(पर्य0)97 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, गढ़वाल मण्डल।
- 5- वित्त अनुभाग-2,
- 6- श्री एल0एन0पन्त।
- 7- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 9- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 10- निजी सचिव मा0 पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल।
- 11- एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 12- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

23
(सन्तोष बड़ोनी)
अनुसचिव।